

**2013 Set-A**

Read the following **four passages** and answer the items that follow each passage. Your answers to these items should be based on the passages only.

**Passage – 1**

The subject of democracy has become severely muddled because of the way the rhetoric surrounding it has been used in recent years. There is, increasingly, an oddly confused dichotomy between those who want to 'impose' democracy on countries in the non-Western world (in these countries' 'own interest', of course) and those who are opposed to such 'imposition' (because of the respect for the countries' 'own ways'). But the entire language of 'imposition', used by both sides, is extraordinarily inappropriate since it makes the implicit assumption that democracy belongs exclusively to the West, taking it to be a quintessentially 'Western' idea which has originated and flourished only in the West.

But the thesis and the pessimism it generates about the possibility of democratic practice in the world would be extremely hard to justify. There were several experiments in local democracy in ancient India. Indeed, in understanding the roots of democracy in the world, we have to take an interest in the history of people participation and public reasoning in different parts of the world. We have to look beyond thinking of democracy only in terms of European and American evolution. We would fail to understand

निम्नलिखित चार परिच्छेदों को पढ़िए और उसके उपरांत प्रत्येक परिच्छेद के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। इन प्रश्नों के आपके उत्तर केवल परिच्छेदों पर ही आधारित होने चाहिए।

**परिच्छेद – 1**

हाल के वर्षों में, लोकतंत्र के विषय को लेकर उसके आस-पास जिस प्रकार से शब्दाडंबर प्रयुक्त हुए हैं, उसके फलस्वरूप यह विषय अत्यंत संभ्रमपूर्ण हो गया है। गैर-पश्चिमी विश्व के देशों पर लोकतंत्र 'अधिरोपित' करने के समर्थकों (वस्तुतः इन देशों के 'स्वहित' में ही), और ऐसे 'अधिरोपण' के विरोधियों (उन देशों के 'अपने तौर-तरीकों' के लिए समादर होने के कारण) के बीच एक बढ़ता हुआ, विचित्र रूप से भ्रान्त द्विभाजन बन गया है। किंतु, इन दोनों ही पक्षों के द्वारा प्रयुक्त 'अधिरोपण' की पूरी भाषा असाधारण रूप से असंगत है, क्योंकि इससे यह अस्पष्ट धारणा बनती है कि लोकतंत्र अनन्य रूप से पश्चिमी देशों से ही सम्बन्ध रखता है, यह मानते हुए, कि यह सर्वोत्कृष्टता से 'पश्चिमी' विचार है जो केवल पश्चिम में ही जन्मा और फला-फूला।

किंतु इस अभिधारणा को, और इससे विश्व में लोकतांत्रिक प्रथा की सम्भावना के बारे में जनित निराशावाद को, औचित्यपूर्ण ठहराना बहुत कठिन होगा। प्राचीन भारत में स्थानीय लोकतंत्र के अनेक प्रयोग किए गए हैं। सचमुच, विश्व में लोकतंत्र की जड़ों को समझने के लिए हमें विश्व के विभिन्न भागों में हुई जन-सहभागिता और लोक-विवेचन के इतिहास में रुचि लेनी होगी। यूरोपीय और अमेरिकी क्रमविकास के आधार पर हमें मात्र लोकतंत्र के विचारण के परे देखना

the pervasive demands for participatory living, on which Aristotle spoke with far-reaching insight, if we take democracy to be a kind of a specialized cultural product of the West.

It cannot, of course, be doubted that the institutional structure of the contemporary practice of democracy is largely the product of European and American experience over the last few centuries. This is extremely important to recognize since these developments in institutional formats were immensely innovative and ultimately effective. There can be little doubt that there is a major 'Western' achievement here.

1. Which of the following is closest to the view of democracy as mentioned in the above passage ?
- (a) The subject of democracy is a muddle due to a desire to portray it as a Western concept, 'alien' to non-Western countries.
- (b) The language of imposition of democracy is inappropriate. There is, however, a need to consider this concept in the backdrop of culture of 'own ways' of non-Western society.
- (c) While democracy is not essentially a Western idea belonging exclusively to the West, the institutional structure of current democratic practices has been their contribution.
- (d) None of the statements (a), (b) and (c) given above is correct.

होगा । यदि हम लोकतंत्र को पश्चिम का एक प्रकार का विशेषीकृत सांस्कृतिक उत्पाद मान लें, तो अरस्तू ने दूरगामी अंतर्दृष्टि के साथ सहभागी जीवन की जिन व्यापक माँगों के विषय में बात की थी, उन्हें समझने में हम असफल हो जाएँगे ।

वास्तव में इस पर संदेह नहीं किया जा सकता कि लोकतंत्र की समकालीन प्रथा का सांस्थानिक ढाँचा अधिकांश रूप में यूरोप और अमेरिका के गत कुछ शताब्दियों में हुए अनुभवों की देन है । इसे पहचानना अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि सांस्थानिक प्ररूपों में ये विकास अत्यधिक नवपरिवर्तनशील और अंततः प्रभावी हुए । इसमें कोई संशय नहीं हो सकता कि यहाँ एक प्रमुख 'पश्चिमी' उपलब्धि है ।

उपर्युक्त परिच्छेद में यथा-उल्लिखित, निम्नलिखित में से कौन-सा, लोकतंत्र के दृष्टिकोण के सर्वाधिक निकट है ?

- (a) लोकतंत्र का विषय, इसे गैर-पश्चिमी देशों के लिए 'अन्यदेशीय', पश्चिमी अवधारणा के रूप में चित्रित करने की इच्छा के कारण संभ्रमपूर्ण है ।
- (b) लोकतंत्र के अधिरोपण की भाषा अनुपयुक्त है । तथापि, इस अवधारणा पर गैर-पश्चिमी समाज के 'अपने तौर-तरीकों' के सांस्कृतिक पृष्ठपट पर विचार करने की आवश्यकता है ।
- (c) यद्यपि लोकतंत्र अनन्य रूप से पश्चिम से जुड़ा, मूलतः पश्चिमी विचार नहीं है, फिर भी, प्रचलित लोकतांत्रिक प्रथाओं की संस्थागत संरचना उन्हीं का योगदान है ।
- (d) उपर्युक्त (a), (b) और (c) में से कोई भी कथन सही नहीं है ।



2. With reference to the passage, the following assumptions have been made :

1. Many of the non-Western countries are unable to have democracy because they take democracy to be a specialized cultural product of the West.
2. Western countries are always trying to impose democracy on non-Western countries.

Which of the above is/are valid assumption/assumptions ?

- (a) 1 only
- (b) 2 only
- (c) Both 1 and 2
- (d) Neither 1 nor 2

#### Passage – 2

Corporate governance is based on principles such as conducting the business with all integrity and fairness, being transparent with regard to all transactions, making all the necessary disclosures and decisions, complying with all the laws of the land, accountability and responsibility towards the stakeholders and commitment to conducting business in an ethical manner. Another point which is highlighted on corporate governance is the need for those in control to be able to distinguish between what are personal and corporate funds while managing a company.

Fundamentally, there is a level of confidence that is associated with a

परिच्छेद के संदर्भ में, निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं :

1. अनेक गैर-पश्चिमी देश लोकतंत्र लाने में असफल रहे हैं, क्योंकि वे लोकतंत्र को पश्चिम का विशिष्ट सांस्कृतिक उत्पाद होने के रूप में देखते हैं ।
2. पश्चिमी देश हमेशा गैर-पश्चिमी देशों पर लोकतंत्र अधिरोपित करने का प्रयास करते हैं ।

कौन-सी उपर्युक्त धारणा/धारणाएँ वैध है/हैं ?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 न ही 2

#### परिच्छेद – 2

निगमित अभिशासन कुछ सिद्धांतों पर आधारित होता है, जैसे कि, समस्त निष्ठा और निष्पक्षता से कारबार का संचालन करना, सभी संव्यवहारों में पारदर्शी होना, सभी आवश्यक प्रकटनों और निर्णयों को करना, देश के सभी कानूनों का अनुपालन करना, पणधारियों के प्रति जवाबदेह और जिम्मेदार होना तथा नैतिक रीति से कारोबार के संचालन की प्रतिबद्धता रखना । निगमित अभिशासन के विषय में जिस दूसरी बात पर विशेष बल दिया गया है, वह है, कम्पनी का प्रबंधन करते समय नियंत्रण करने वालों द्वारा व्यक्तिगत एवम् निगमित निधियों के बीच भेद करने की क्षमता ।

मूलतः, जो कम्पनी अच्छे निगमित अभिशासन के लिए जानी जाती है, उसके साथ विश्वास का एक स्तर जुड़ा होता है । बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों के एक सक्रिय समूह का होना बाजार में विश्वास सुनिश्चित करने में बहुत बड़ा योगदान करता है । निगमित अभिशासन को

company that is known to have good corporate governance. The presence of an active group of independent directors on the board contributes a great deal towards ensuring confidence in the market. Corporate governance is known to be one of the criteria that foreign institutional investors are increasingly depending on when deciding on which companies to invest in. It is also known to have a positive influence on the share price of the company. Having a clean image on the corporate governance front could also make it easier for companies to source capital at more reasonable costs. Unfortunately, corporate governance often becomes the centre of discussion only after the exposure of a large scam.

3. According to the passage, which of the following should be the practice/practices in good corporate governance ?

1. Companies should always comply with labour and tax laws of the land.
2. Every company in the country should have a government representative as one of the independent directors on the board to ensure transparency.
3. The manager of a company should never invest his personal funds in the company.

Select the correct answer using the codes given below :

- (a) 1 only
- (b) 2 and 3 only
- (c) 1 and 3 only
- (d) 1, 2 and 3

उस एक मानदण्ड के रूप में जाना जाता है, जिस पर विदेशी संस्थागत निवेशक, यह निर्णय करते समय कि किन कम्पनियों में निवेश किया जाए, अधिकाधिक निर्भर होते जा रहे हैं। इसे उस कम्पनी की शेयर कीमतों पर सकारात्मक प्रभाव रखने वाले के रूप में भी जाना जाता है। निगमित अभिशासन के मोरचे पर स्वच्छ छवि का रखना कम्पनियों के लिए अपेक्षाकृत अधिक उचित लागतों पर पूँजी उद्गम करने को भी सुगमतर बना सकता है। दुर्भाग्यवश, निगमित अभिशासन बहुधा किसी बड़े घोटाले के प्रकटन के बाद ही चर्चा के केंद्र में आता है।

परिच्छेद के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन-सा/से, अच्छे निगमित अभिशासन का/के व्यवहार होना/होने चाहिए ?

1. कम्पनियों को हमेशा देश के श्रम व कर कानूनों का अनुपालन करना चाहिए।
2. देश की प्रत्येक कम्पनी के बोर्ड में, पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु, स्वतंत्र निदेशकों में से एक, सरकारी प्रतिनिधि होना चाहिए।
3. कम्पनी के प्रबंधक को अपनी व्यक्तिगत निधियों का कम्पनी में कभी भी निवेश नहीं करना चाहिए।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

4. According to the passage, which of the following is/are the major benefit/benefits of good corporate governance ?

1. Good corporate governance leads to increase in share price of the company.
2. A company with good corporate governance always increases its business turnover rapidly.
3. Good corporate governance is the main criterion for foreign institutional investors when they decide to buy a company.

Select the correct answer using the codes given below :

- (a) 1 only
- (b) 2 and 3 only
- (c) 1 and 3 only
- (d) 1, 2 and 3

### Passage - 3

Malnutrition most commonly occurs between the ages of six months and two years. This happens despite the child's food requirements being less than that of an older child. Malnutrition is often attributed to poverty, but it has been found that even in households where adults eat adequate quantities of food, more than 50 per cent of children-under-five do not consume enough food. The child's dependence on someone else to feed him/her is primarily responsible for the malnutrition. Very often the mother is working and the responsibility of feeding the young child is left to an older sibling. It is therefore crucial to increase awareness regarding the child's food needs and how to satisfy them.

परिच्छेद के अनुसार, निम्नलिखित में से, अच्छे निगमित अभिशासन का/के प्रमुख लाभ क्या है/हैं ?

1. अच्छा निगमित अभिशासन कम्पनी की शेयर कीमत में वृद्धि कर देता है ।
2. अच्छा निगमित अभिशासन युक्त कम्पनी हमेशा अपने व्यवसाय आवर्त में तेज़ी से वृद्धि करती है ।
3. अच्छा निगमित अभिशासन, विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा कम्पनी खरीदने में निर्णय लेने हेतु, प्रमुख मानदण्ड होता है ।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

### परिच्छेद - 3

कुपोषण छह माह से दो साल की आयु के बीच होना सर्वाधिक आम है । बड़े बच्चे की तुलना में छोटे बच्चे की भोजन की आवश्यकता कम होने के बावजूद ऐसा होता है । बहुधा कुपोषण का कारण गरीबी मानी जाती है, परन्तु यह पाया गया है कि ऐसे परिवारों में भी जहाँ वयस्क पर्याप्त मात्रा में भोजन ग्रहण करते हैं, पाँच वर्ष से कम आयु के 50 प्रतिशत से अधिक बच्चे पर्याप्त आहार नहीं लेते । किसी और द्वारा खाना खिलाने हेतु बच्चे की निर्भरता कुपोषण के लिए प्राथमिक रूप से उत्तरदायी है । बहुधा माँ कामकाजी होती है और छोटे बच्चे को खाना खिलाने की जिम्मेदारी उसके बड़े भाई-बहन पर छोड़ दी जाती है । इसलिए, बच्चे की खाद्य आवश्यकताओं के, और उन्हें कैसे पूरा किया जाए, इसके सम्बन्ध में जागरूकता को बढ़ाना अत्यंत महत्वपूर्ण है ।



5. According to the passage, malnutrition in children can be reduced
- if the children have regular intake of food.
  - after they cross the age of five.
  - if the food needs of younger children are known.
  - if the responsibility of feeding younger children is given to adults.

6. According to the author, poverty is not the main cause of malnutrition, but the fact that

- taking care of younger ones is not a priority for working mothers.
- awareness of nutritional needs is not propagated by the Public Health authorities.

Select the correct answer using the code given below :

- 1 only
- 2 only
- Both 1 and 2
- Neither 1 nor 2

#### Passage - 4

A number of empirical studies find that farmers are risk-averse, though only moderately in many cases. There is also evidence to show that farmers' risk aversion results in cropping patterns and input use designed to reduce risk rather than to maximize income. Farmers adopt a number of strategies to manage and cope with agricultural risks. These include practices like crop and field

परिच्छेद के अनुसार, बच्चों में कुपोषण कैसे घटाया जा सकता है ?

- यदि बच्चे भोजन की नियमित खुराक ग्रहण करें।
- जब वे पाँच वर्ष की आयु पूरी कर लें।
- यदि छोटे बच्चों की खाद्य आवश्यकताएँ ज्ञात हों।
- यदि छोटे बच्चों को भोजन कराने की जिम्मेदारी वयस्कों को दे दी जाए।

लेखक के अनुसार, कुपोषण का मुख्य कारण गरीबी नहीं है, बल्कि यह तथ्य कि

- छोटे बच्चों की देखरेख करना कामकाजी माताओं की प्राथमिकता नहीं होती।
- लोक स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा पोषण सम्बन्धी ज़रूरतों की जानकारी का प्रचार नहीं किया जाता।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 न ही 2

#### परिच्छेद - 4

अनेक आनुभविक अध्ययनों से पता चलता है कि कृषक जोखिम उठाने के अनिच्छुक होते हैं, यद्यपि अनेक मामलों में ऐसा मामूली रूप से पाया जाता है। यह दर्शाने के भी प्रमाण हैं कि कृषकों की जोखिम उठाने की अनिच्छुकता ऐसे फसल प्रतिरूपों और निविष्टि उपयोग में परिणत होती है, जो आय को अधिकतम करने के स्थान पर जोखिम को कम करने हेतु अभिकल्पित हैं। कृषक, कृषिगत जोखिमों को संभालने

diversification, non-farm employment, storage of stocks and strategic migration of family members. There are also institutions ranging from share tenancy to kinship, extended family and informal credit agencies. One major obstacle to risk sharing by farmers is that the same type of risks can affect a large number of farmers in the region. Empirical studies show that the traditional methods are not adequate. Hence there is a need for policy interventions, especially measures that cut across geographical regions.

Policies may aim at tackling agricultural risks directly or indirectly. Examples of risk-specific policies are crop insurance, price stabilization and the development of varieties resistant to pests and diseases. Policies which affect risk indirectly are irrigation, subsidized credit and access to information. No single risk-specific policy is sufficient to reduce risk and is without side-effects, whereas policies not specific to risk influence the general situation and affect risks only indirectly. Crop insurance, as a policy measure to tackle agricultural risk directly, deserves careful consideration in the Indian context and in many other developing countries – because the majority of farmers depend on rain-fed agriculture and in many areas yield variability is the predominant cause of their income instability.

और उनका सामना करने के लिए अनेक रणनीतियाँ अपनाते हैं। इनके अंतर्गत, फसल एवं जोतों का विविधीकरण, गैर-कृषि रोजगार, माल का भंडारण एवं परिवार के सदस्यों का रणनीतिक प्रवास, इत्यादि पद्धतियाँ सम्मिलित हैं। बँटाई काश्तकारी से लेकर नातेदारी, विस्तारित परिवार तथा अनौपचारिक ऋण अभिकरण जैसी संस्थाएँ भी हैं। कृषकों द्वारा जोखिम उठाने में एक प्रमुख बाधा यह है कि एक ही प्रकार के जोखिम उस क्षेत्र में बड़ी संख्या में किसानों को प्रभावित कर सकते हैं। आनुभविक अध्ययन यह दिखाते हैं कि परंपरागत तरीके पर्याप्त नहीं हैं। अतः नीतिगत हस्तक्षेप आवश्यक है, विशेषकर ऐसे उपाय जो विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में एकसमान कारगर हों।

नीतियों का उद्देश्य प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से कृषिगत जोखिमों का मुकाबला करना हो सकता है। विशेषतः जोखिम को ध्यान में रखकर बनी नीतियों के उदाहरण हैं, फसलों का बीमा, कीमत स्थिरीकरण और ऐसी क्रिस्मों का विकास जिनमें कीटों और बीमारियों के प्रति प्रतिरोधशक्ति हो। सिंचाई, आर्थिक सहायता प्राप्त ऋण एवं सूचना तक पहुँच ऐसी नीतियाँ हैं जो जोखिम को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती हैं। विशेषतः जोखिम पर ध्यान देने वाली ऐसी कोई अकेली नीति नहीं है जो इसे घटाने हेतु पर्याप्त हो और जिसके पार्श्व-प्रभाव न हों, जबकि ऐसी नीतियाँ जो विशेष तौर पर जोखिम से सम्बद्ध न हों, सामान्य स्थिति पर प्रभाव डालती हैं एवं जोखिमों को केवल अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती हैं। फसल बीमा पर, प्रत्यक्ष रूप से कृषिगत जोखिम को साधने के एक नीतिगत उपाय के रूप में, भारत एवं अन्य अनेक विकासशील देशों के संदर्भ में, सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता है – क्योंकि बहुसंख्यक कृषक वर्षा-सिंचित कृषि पर निर्भर हैं और अनेक क्षेत्रों में उनकी आय अस्थिरता का मुख्य कारण उपज में अस्थिरता है।

<p>7. The need for policy intervention to mitigate risks in agriculture is because</p> <p>(a) farmers are extremely risk-averse.</p> <p>(b) farmers do not know how to mitigate risks.</p> <p>(c) the methods adopted by farmers and existing risk sharing institutions are not adequate.</p> <p>(d) majority of farmers depend on rain-fed agriculture.</p> <p>8. Which of the following observations emerges from the above passage ?</p> <p>(a) One can identify a single policy that can reduce risk without any side-effect.</p> <p>(b) No single risk-specific policy is sufficient to reduce agricultural risk.</p> <p>(c) Policies which affect risk indirectly can eliminate it.</p> <p>(d) Government's policy intervention can mitigate agricultural risk completely.</p>	<p>7. कृषि में जोखिम घटाने हेतु नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता इसलिए है, क्योंकि</p> <p>(a) कृषक जोखिम उठाने के नितान्त अनिच्छुक होते हैं ।</p> <p>(b) कृषक यह नहीं जानते कि जोखिमों को किस प्रकार घटाया जाए ।</p> <p>(c) कृषकों द्वारा अपनाए गए तरीके और जोखिम में सहभागिता करने वाली वर्तमान संस्थाएँ पर्याप्त नहीं हैं ।</p> <p>(d) बहुसंख्यक कृषक वर्षा-सिंचित कृषि पर निर्भर हैं ।</p> <p>8. उपर्युक्त परिच्छेद से निम्नलिखित प्रेक्षणों में से कौन-सा उभर कर सामने आता है ?</p> <p>(a) एक अकेली ऐसी नीति की पहचान की जा सकती है जो बिना किसी पार्श्व-प्रभाव के जोखिम को घटा सके ।</p> <p>(b) विशेषतः जोखिम को लेकर कोई ऐसी अकेली नीति नहीं हो सकती जो कृषिगत जोखिम को घटाने हेतु पर्याप्त हो ।</p> <p>(c) जोखिम को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करने वाली नीतियाँ इसका निराकरण कर सकती हैं ।</p> <p>(d) सरकार का नीतिगत हस्तक्षेप कृषिगत जोखिमों को पूर्ण रूप से कम कर सकता है ।</p>
--	--

Practice these questions yourself after gap of 1 week. See official answer key from here

1 सप्ताह के अंतराल के बाद इन प्रश्नों का अभ्यास स्वयं करें। आधिकारिक उत्तर कुंजी देखें

<https://allinclusiveias.files.wordpress.com/2024/02/csat-official-answer-key-till-2022.pdf>

Separate explanation videos are available in English & Hindi

अंग्रेजी और हिंदी में अलग-अलग वीडियो उपलब्ध हैं

[www.allinclusiveias.com](http://www.allinclusiveias.com)

UPSC / PCS

CSAT

Class-02

Page-011

© All Inclusive IAS